सत्रीय पाठ्यक्रम
सत्र 2018 – 19
कक्षा XI
विषय भूगोल

माह	विषयवस्तु
जुलाई 2018 से सितम्बर 2018	मानचित्र कार्य – भारत के राज्य तथा उनकी राजधानियाँ • भारत की प्रमुख पर्वत चोटियाँ • भारत की प्रमुख नदियाँ तथा पठार झीलें • महाद्वीपों के नाम • विश्व की प्रमुख देश • अक्षांश तथा देशान्तर रेखाएँ • विश्व के प्रमुख गर्म व ठंडे मरूस्थलों के नाम • विश्व के प्रमुख नदियाँ • विश्व की प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ • विश्व के प्रमुख घास के मैदानो के नाम • विश्व के प्रमुख पठार **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत** **भाग–1** **इकाई–1, अध्याय–1: भूगोल एक विषय के रूप में** भूगोल एक समाकलन विषय के रूप मे, भौतिक भूगोल एवं प्राकृतिक विज्ञान, भूगोल एवं सामाजिक विज्ञान, भूगोल की शाखाएँ, भौतिक भूगोल एवं इसका महत्त्व। **इकाई 2, अध्याय –2: पृथ्वी– पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास** आरम्भिक व आधुनिक सिद्धांत, तारों का निर्माण, ग्रहों का निर्माण, प्रकाश वर्ष, सौरमण्डल, चन्द्रमा, पृथ्वी का उद्‌भव, स्थलमंडल का विकास, जीवन की उत्पत्ति। **इकाई– 2 अध्याय–3: पृथ्वी की आंतरिक संरचना** भूगर्भ की जानकारी के साधन, भूकम्प, भूकम्पीय तरंगे, भूकम्प के प्रभाव, पृथ्वी की संरचना (भूपर्पटी, मैटल, क्रोड) ज्वालामुखी निर्मित स्थलरूप। **इकाई–2, अध्याय– 4: महासागरों और महाद्वीपों का वितरण** महाद्वीपीय प्रवाह – अल्फ्रेड वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत, महासागरीय अधस्तल की बनावट, भूकम्प व ज्वालामुखियों का वितरण, सागरीय अधस्तल का विस्तार,प्लेट विवर्तनिकी, प्लेट को संचालित करने वाले तत्त्व व प्लेट संचरण सीमाऐं, भारतीय प्लेट का संचालन। मानचित्र कार्य। **भारत – भौतिक पर्यावरण** **खण्ड –1,अध्याय 1:**भारत–स्थिति : आकार ,भारत के पड़ोसी राज्य।मानचित्र कार्य। **प्रयोगात्मक कार्य :**मानचित्र का परिचय, पैमाने। **खण्ड –2,अध्याय– 2:**संचरना तथा भू – आकृति विज्ञान प्रायद्वीपीय खण्ड, हिमालय और अन्य प्रायद्वीपीय पर्वतमालाएँ, सिंधु – गंगा, ब्रह्मपुत्र

	मैदान, भू – आकृति, उत्तरी भारत का मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, भारतीय मरूस्थल, तटीय मैदान, द्वीप समूह। मानचित्र कार्य। **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत** **इकाई–3,अध्याय 5: खनिज एवं शैलः** खनिजों का निर्माण, खनिजों की भौतिक विशेषताएँ, प्रमुख खनिजों तथा उनकी विशेषताएँ। धात्विक व अधात्विक खनिज, शैले(पेट्रोलॉजी) आग्नेय शैल, अवसादी शैल, कायांतरित शैल, शैल चक्र। **अध्याय– 6: भू – आकृतिक प्रक्रियाएँ** अंर्तजनित प्रक्रियाएँ, पटल विरूपण,ज्वालामुखीयता, बहिजनक प्रक्रियाएँ, अपक्षय, रासायनिक अपक्षय प्रक्रियाएँ, भौतिक अपक्षय प्रक्रियाएँ, जैविक कार्य एवं अपक्षय, अपक्षय के विशेष प्रभाव, महत्त्व, बृहत संचलन, मंद संचलन, तीव्र संचलन, भूस्खलन, अपरदन एवं निक्षेपण, मृदा निर्माण, मृदा निर्माण की प्रक्रियाएँ तथा कारक। **अध्याय– 7: भू – आकृतियाँ तथा उनका विकासः** प्रवाहित जल, अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप, भौम जल, अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप,हिमनद, अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप,तरंग व धाराएँ, अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप, पवन अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप। **इकाई 4–अध्याय 8: वायुमण्डल का संघटन तथा संरचना :** वायुमण्डल का संघटन, वायुमण्डल की संरचना, मौसम और जलवायु के तत्त्व। **प्रयोगात्मक कार्य** :मापनी बनाना, दूरी मापना, दिशा ज्ञात करना, चिह्नों का प्रयोग, अक्षांश, देशान्तर और समय। **भारत – भौतिक पर्यावरण** **खण्ड –2,अध्याय 3 : अपवाह तन्त्र :** आशय, प्रकार,भारत के अपवाहतन्त्र, हिमालीय अपवाहतन्त्र व उसका विकास, सिन्धु नदी तन्त्र, ब्रह्मपुत्र नदी तन्त्र, प्रायद्वीपीय अपवाहतन्त्र व इसका विकास, नदी जल उपयोग की सीमा, मानचित्र कार्य। **अध्याय 4 : जलवायु** :मानसून जलवायु में एकरूपता एवं विविधता, भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, शीतऋतु व ग्रीष्म ऋतु में मौसम की क्रियाविधि, भारतीय मानसून की प्रकृति, मानसून में विच्छेद, मानसून का निवर्तन, ऋतुओं की लय, मानसून वर्षा की विशेषताएँ, मानसून के निवर्तन की ऋतु, वर्षा का वितरण, वर्षा की परिवर्तिता, भारत के निवर्तन की ऋतु, वर्षा का वितरण, वर्षा की परिवर्तिता, भारत के जलवायु प्रदेश, मानसून और भारत का आर्थिक जीवन, भूमण्डलीय तापन, मानचित्र।
	मध्याविधि परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति
अक्टूबर 2018 से फरवरी 2019	**मध्याविधि परीक्षा** के प्रश्न पत्र पर कक्षा में चर्चा। **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत** **इकाई 4–अध्याय 9:सौर विकिरण, ऊष्मा संतुलन एवं तापमान** सौर विकिरण, पृथ्वी की सतह पर सूर्यातप मे भिन्नता, वायुमण्डल का तापन एवं शीतलन, पृथ्वी का ऊष्मा बजट, तापमान, तापमान का व्युत्क्रमण। **अध्याय 10: वायुमण्डलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ** वायुमण्डलीय दाब, वायुदाब में ऊर्ध्वाधर भिन्नता, वायुदाब का क्षैतिज वितरण, पवनों की दिशा व वेग को प्रभावित करने वाले बल, वायुमण्डल का सामान्य परिसंचरण, पवनें, उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात।

अक्टूबर 2018 से फरवरी 2019	**प्रयोगात्मक कार्य ; मानचित्र प्रक्षेप** मानचित्र प्रक्षेप बनाना व प्रक्षेप के गुण, एक मानक रेखा वाला शंकु प्रक्षेप, मर्केटर प्रक्षेप, बेलनाकार प्रक्षेप। **भारतः भौतिक पर्यावरण** **खण्ड– 3 अध्याय 5: प्राकृतिक वनस्पति** वनों के प्रकार, भारत में वन आवरण, वन संरक्षण भारत मे वन्य प्राणी, संरक्षणजीव मण्डल, निचय(मानचित्र कार्य) **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत** **इकाई– 4 अध्याय 11: वायुमण्डल मे जल** आर्द्रता व उसके प्रकार, वाष्पीकरण व संघनन, बादल व उनके प्रकार, वर्षण, वर्षा के प्रकार, संसार मे वर्षा वितरण । **अध्याय 12: विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन** कोपेन की जलवायु, वर्गीकरण की पद्धति, जलवायु परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन के कारण, भूमण्डलीय ऊष्मन, ग्रीन हाउस आशय। **प्रयोगात्मक कार्य :**स्थलाकृतिक मानचित्र, मौसम मानचित्र समोच्य रेखाएँ, ढाल के प्रकार – पहाड़ियाँ,घाटियाँ, भृगु, जल प्रपात, बस्तियों का वितरण। **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत** **इकाई– 5 अध्याय 13: महासागरीय जल** जलीय चक्र, महासागरीय जल अद्यस्तल का उच्चावच,महासागरीय अद्यस्तल का विभाजन, महासागरीयजल का तापमान,तापमान वितरण,महासागरीयजल की लवणता,महासागरीय लवणता को प्रभावित करने वाले कारक, लवणता का क्षैतिज व ऊर्ध्वाधरवितरण **अध्याय 14: महासागरीय जलसंचलनः** तर'गे, ज्वार –भाटा, प्रकार, ज्वार –भाटा का महत्त्व, महासागरीय धाराओं के प्रकार, महासागरीय धाराओं के प्रभाव। मानचित्र कार्य। **प्रयोगात्मक कार्य :**सुदूर संवेदन का परिचय, सुदूर संवेदन के स्तर, वायव फोटो तथा उपग्रह सचित्रों, द्धारा भौतिक व सांस्कृतिक लक्षणों को दर्शाना। **मौसम उपकरणों का प्रयोग** –तापमानी शुष्क वाल्व व आर्द्र वाल्व, थर्मामीटर, वायुदाबमापी, वायुदिक सूचक यंत्र, वर्षामापी यंत्र। **इकाई –6 अध्याय 15 :पृथ्वी पर जीवन** पारिस्थितिकी पारितंत्र के प्रकार, पारितंत्र की कार्य प्रणाली व संरचना, बायोम के प्रकार, जैव भू–रासायनिक चक्र, पारिस्थितिकी संतुलन **अध्याय 16:जैव विविधता एवं संरक्षण** आनुवांशिक जैव विविधता, प्रजातीय विविधता, पारितंत्रीय विविधता, जैव विविधता का महत्त्व, जैव विविधता की पारिस्थितिकीय,आर्थिक,वैज्ञानिक भूमिका, जैव विविधता का ह्रास व संरक्षण, संसार के महा विविधता केन्द्र (Mega Diversity Centers) (Hot Spot in the World) **प्रयोगात्मक कार्य–मानचित्र कार्य:**मौसम मानचित्र तथा चार्ट, दबाव,वर्षा, हवा के वितरण का वर्णन।

	भारत भौतिक पर्यावरण **खण्ड–3,अध्याय 6: मृदा** आशय, मृदा का वर्गीकरण, मृदा अवकर्षण, मृदा अपरदन, मृदा संरक्षण, मानचित्र कार्य। **भारत भौतिक पर्यावरण** **खण्ड–4,अध्याय 7: प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ** प्राकृतिक आपदाओं का वर्गीकरण, भारत में प्राकृतिक आपदाएँ, भूकम्प, सुनामी, उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात, बाढ़, सूखा, सूखे के परिणाम, भूस्खलन, भूस्खलन के परिणाम, निवारण आपदा प्रबन्धन। **मानचित्र कार्य :**संसार के राजनीतिक मानचित्र पर आधारित लक्षणों की पहचान। **Syllabus must be completed before JANUARY 2019**